राजनीतिक

● क्या भाजपा के संगठनात्मक पुनर्गठन से आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल को बल मिल रहा है?

क्या भाजपा के संगठनात्मक फेरबदल से यह संकेत मिल रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी फेरबदल हो सकता है? यह सवाल तब और भी जोर पकड़ने लगा जब पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने 17 अगस्त, 2026 को अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की, जिसमें स्मृति ईरानी और राम माधव को वापस लाया गया और युवा नेताओं को बढ़ावा दिया गया। 22 अगस्त को नई टीम के साथ हुई बैठक में नबीन ने जमीनी स्तर पर लामबंदी, सरकार से संपर्क और 2027 के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर जोर दिया। अब ध्यान संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के संभावित पुनर्गठन पर केंद्रित हो रहा है, ऐसी खबरें हैं कि योगी आदित्यनाथ, हिमंता बिस्वा सरमा और देवेंद्र फडणवीस जैसे कई प्रमुख मुख्यमंत्री पार्टी के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकायों में शामिल हो सकते हैं। व्यापक राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो, 'पहले संगठन, फिर सरकार'। यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है, तो चुनावी समीकरण, प्रदर्शन, क्षेत्रीय संतुलन, जातिगत प्रतिनिधित्व और एनडीए के विस्तार का असर संभावित निर्णयों पर पड़ सकता है। हालांकि, यह अटकल अभी तक पुष्ट नहीं हुई है।

● क्या असम में कांग्रेस का कोई शीर्ष नेता भाजपा में शामिल होगा ?

ऐसी अफवाहें हैं कि कांग्रेस के एक शीर्ष नेता बहुत जल्द भाजपा में शामिल होने वाले हैं। नाम का अंदाजा लगाया जा सकता है।

● एनआईए की साइबर-आतंकवाद गतिविधि

हालिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकारी वेबसाइटों पर साइबर हमलों की जांच के सिलसिले में एनआईए ने महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, बिहार और दिल्ली सहित पांच राज्यों में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें कथित तौर पर 54 सरकारी वेबसाइटें शामिल थीं। यह साइबर/सूचना युद्ध पर एनएसएससी के नए जोर के अनुरूप है।

प्रशासनिक

● अंडमान और निकोबार द्वीप समूहः सबसे युवा कलेक्टर

आईएएस सुशांत पाधा, उत्तरी और मध्य अंडमान के उपायुक्त, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के केंद्र शासित प्रदेश में सबसे कम उम्र के जिला कलेक्टर हैं। 1992 में जन्मे पाधा, एजीएमयूटी कैडर के 2020 बैच से संबंधित हैं।

● मणिपुर के नए मुख्य सचिव कौन होंगे?

मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत गोयल की सेवानिवृत्ति के आदेश 31 अगस्त को जारी कर दिए गए हैं। इससे पहले उनकी सेवा अवधि में छह महीने के विस्तार की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब स्थिति स्पष्ट नहीं है – क्या नए मुख्य सचिव दिल्ली से आएंगे या मणिपुर कैडर से?

● दिम्पी गर्ग पूर्वी मध्य रेलवे की महाप्रबंधक

डिम्पी गर्ग, जो वर्तमान में उत्तरी रेलवे (एनआर) में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता (पीसीएमई) के पद पर कार्यरत हैं, को पूर्वी मध्य रेलवे (ईसीआर) में महाप्रबंधक (जीएम) के रूप में तैनात किया गया है। वे भारतीय रेलवे यांत्रिक अभियंता सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी हैं।

● आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति

गृह मंत्रालय केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आईपीएस अधिकारियों के नामांकन हेतु राज्यों पर दबाव डाल रहा है, जो केंद्रीय कार्यों के लिए अनुभवी पुलिस अधिकारियों की उपलब्धता को लेकर केंद्र-राज्य संतुलन की समस्या को दर्शाता है।

● इंदरजीत सिंह संयुक्त सचिव नियुक्त

इंदरजीत सिंह को केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव या समकक्ष पद के लिए पैनल में शामिल किया गया है। वे राजस्थान कैडर के 2010 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

● नई खुफिया संरचना के भीतर सीएपीएफ को पूरी तरह से स्थापित किया गया

सीएपीएफ/सीपीओ के प्रमुखों ने नौवें दो दिवसीय खुफिया ब्यूरो राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन में भाग लिया, जिससे यह संकेत मिलता है कि भविष्य की एमएचए रणनीति को तेजी से अलग-थलग बल-वार अभियानों के बजाय एक एकल खुफिया-पुलिसिंग-सीएपीएफ पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में तैयार किया जा रहा है।

● सीएपीएफ भर्ती प्रक्रिया

यूपीएससी ने 25 अगस्त को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सहायक कमांडेंट) परीक्षा, 2026 की जानकारी प्रकाशित की, जो बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और संबंधित सीएपीएफ धाराओं के लिए एक और महत्वपूर्ण मानव संसाधन विकास कदम है।

● ट्रिब्यूनल सदस्यों का चयन खोज-सह-चयन समिति द्वारा

न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2026 के तहत, प्रथम अनुसूची में निर्दिष्ट न्यायाधिकरणों के सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग द्वारा गठित खोज-सह-चयन समिति की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। न्यायाधिकरण सदस्यों के चयन के लिए समिति में आयोग के एक न्यायिक सदस्य अध्यक्ष के रूप में, आयोग के एक तकनीकी सदस्य, उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, केंद्र सरकार द्वारा नामित भारत सरकार के एक सचिव, दो विशेषज्ञ सदस्य और आयोग के सचिव सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे।

● प्रसन्ना वेंकटेश एनटीए के निदेशक नियुक्त

प्रसन्ना वेंकटेश वी, आईएएस (एपीः 2012) को केंद्रीय कर्मचारी भर्ती योजना के तहत उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। पांच साल की अवधि।

● रवि कुमार सिंह एनटीए के निदेशक नियुक्त

रवि कुमार सिंह, आईपीएस (यूटी:2012), को केंद्रीय कर्मचारी भर्ती योजना के तहत उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में निदेशक के पद पर पांच साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

● अमित समदरिया एनटीए के संयुक्त निदेशक नियुक्त

अमित समदारिया को केंद्रीय भर्ती योजना के तहत उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में चार साल की अवधि के लिए संयुक्त निदेशक (उप सचिव स्तर) के पद पर नियुक्त किया गया है। वे भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी) के 2016 बैच के अधिकारी हैं।

● आशीष कुमार सक्सेना की प्रतिनियुक्ति अवधि घटाई

एसीसी ने वाणिज्य विभाग के निदेशक आशीष कुमार सक्सेना के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल में कटौती को मंजूरी दे दी है। वे भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर सेवा के 2011 बैच के अधिकारी हैं।

●जम्मू-कश्मीर में ग्यारह आईपीएस अधिकारियों का तबादला

जम्मू-कश्मीर में एजीएमयूटी कैडर के ग्यारह आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। एमके सिन्हा को एडीजी सीआईडी के रूप में तैनात किया गया है, जबकि नीतीश कुमार एडीजी, सशस्त्र पुलिस बल के रूप में कार्यभार संभालेंगे और उत्तम चंद को आईजीपी, रेलवे के रूप में स्थानांतरित किया गया है और वे पीएचक्यू में आईजीपी, पुलिस संचालन और सेवाओं का अतिरिक्त प्रभार भी संभालते रहेंगे। इसी प्रकार, भीम सेन तुती मुख्यालय में आईजी का पदभार ग्रहण करेंगे।

बेटियों के सपनों को पंख दे रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री योगी

15 करोड़ राखियों से कारीगरों को रोजगार, पर्व से जुड़ा है समाज के स्वावलंबन और आर्थिक विकास का भाव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन केवल रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास, सम्मान, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह पर्व परिवार और समाज के रिश्तों को मजबूत करने के साथ स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों के आर्थिक स्वावलंबन से भी जुड़ा है। आज बेटियों ने जो राखियां मुझे बांधीं, उनमें से बहुत उन्होंने अपने हाथों से बनाई। प्रदेश में करीब 15 करोड़ राखियां बंध रही हैं। इनमें से प्रत्येक राखी के पीछे किसी कारीगर, हस्तशिल्पी, दुकानदार व बाजार की आर्थिक गतिविधि जुड़ी हुई है। राखी खरीदने पर पैसा कारीगर तक पहुंचता है और फिर बाजार में लौटकर विकास को गति देता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को 'बिटिया और बहना-यूपी का गहना' स्नेहबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रद्धा और सम्मान से विश्वास पैदा होता है, विश्वास आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है और आत्मनिर्भर समाज ही विकास को तेज गति देता है। इसी सोच के साथ प्रदेश में मिशन शक्ति का संचालन बेटी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए किया जा रहा है। आज बेटियां भयमुक्त होकर स्कूल जा रही हैं और शिक्षा से लेकर रोजगार तक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

गरीब बेटियों के लिए बदली शिक्षा की तस्वीर : मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल के शुरुआती दिनों का अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक दौरे के दौरान उन्होंने गरीब परिवार की कुछ बच्चियों को नंगे पैर और बिना यूनिफॉर्म स्कूल जाते देखा था। वहीं उनके भाइयों के पास जूते और यूनिफॉर्म थी। इस अनुभव के बाद उन्होंने बेटियों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे और सर्दियों में स्वेटर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। बाद में यह सुविधा सभी जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाई गई। आज प्रदेश में करीब 1.60 करोड़ बच्चों को हर वर्ष दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रदेश के सभी विकासखंडों में विद्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू : मुख्यमंत्री ने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पहले आठवीं के बाद बड़ी संख्या में बेटियों की पढ़ाई छूट जाती थी। सरकार ने इन विद्यालयों को 12वीं तक विस्तार देने का निर्णय लिया है और प्रदेश के सभी 825 विकासखंडों में विद्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। अटल आवासीय विद्यालयों में भी बेटियों की संख्या बढ़ाई गई है।

सैनिक स्कूल से लेकर रोजगार तक बेटियों को समान अवसर : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ स्थित परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे के नाम पर संचालित देश के पहले सैनिक स्कूल में वर्ष 2018 में बेटियों को प्रवेश देने की शुरुआत की गई। आज देश के सभी सैनिक स्कूलों में बेटियों के लिए प्रवेश का रास्ता खुल चुका है। सरकार का लक्ष्य बेटियों को ऐसा वातावरण देना है, जिसमें वे अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सकें।

36 प्रतिशत से अधिक महिलाएं नौकरी व रोजगार से जुड़ी : मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक राज्य में महिलाओं की रोजगार में भागीदारी बेहद कम रही। आजादी के बाद करीब 75 वर्षों तक केवल 12 प्रतिशत महिलाएं नौकरी या रोजगार से जुड़ी थीं, लेकिन अब यह आंकड़ा 36 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। कामकाजी महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए बड़े शहरों में नि:शुल्क छात्रावासों के निर्माण की पहल भी आगे बढ़ाई जा रही है। आज बेटियां नाइट शिफ्ट में काम करने को लेकर भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। यह बदलते उत्तर प्रदेश और महिला सशक्तीकरण की बड़ी तस्वीर है।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जल स्तर स्थिर, सभी तटबंध सुरक्षित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : जिले में गंगा और यमुना के जलस्तर में फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है। जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी जलस्तर की सूचना के अनुसार दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं। जिले के सभी तटबंध सुरक्षित बताए गए हैं।

प्रशासन के मुताबिक यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 79.65 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 13 सेंटीमीटर बढ़ा है। यहां 37.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 80.49 मीटर रहा। इसमें पिछले 24 घंटे में एक सेंटीमीटर की मामूली कमी दर्ज की गई। फाफामऊ में 11 मिलीमीटर बारिश हुई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 79.18 मीटर दर्ज किया गया, जो 24 घंटे में नौ सेंटीमीटर बढ़ा है। यहां 58.1 मिलीमीटर बारिश हुई। बक्शी बांध स्थित एसटीपी पर जलस्तर 79.90 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें पिछले 24 घंटे में 16 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। प्रयागराज में नदियों का खतरे का निशान 84.734 मीटर है। वर्तमान में गंगा और यमुना का जलस्तर इस निशान से काफी नीचे है। जिला प्रशासन लगातार नदियों के जलस्तर और तटबंधों की निगरानी कर रहा है। प्रशासन ने सभी तटबंधों को सुरक्षित बताया है, जिससे फिलहाल बाढ़ को लेकर स्थिति नियंत्रण में है।

जलस्तर पर प्रशासन की नजर : लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन की ओर से नदियों के जलस्तर की नियमित निगरानी की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी होने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। फिलहाल सभी तटबंध सुरक्षित होने और नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे होने से राहत की स्थिति बनी हुई है।

रक्षाबंधन पर्व पर काशी विश्वनाथ को मंगलाआरती में राखी समर्पित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : श्रावणी पूर्णिमा पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में श्री काशी विश्वनाथ (बाबा विश्वेश्वर) के दरबार में भोर की मंगलाआरती के बाद पावन ज्योर्तिलिंग पर राखी समर्पित की गई। बाबा विश्वनाथ को राखी अर्पित कर भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के इस पवित्र पर्व पर उनका प्रतीक रूप से आशीर्वाद मांगा गया।

मंगलाआरती के बाद मंदिर का पट खुलते ही कतारबद्ध श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना किया कि सभी भाई-बहनों के प्रेम, स्नेह और रिश्तों को सदैव मजबूत बनाए रखें तथा परिवारों में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करें। पर्व पर श्रद्धालुओं ने भी बाबा को राखी अर्पित किया।

श्रावणी पूर्णिमा पर शाम को मंदिर के गर्भगृह में बाबा का झूलनोत्सव श्रृंगार किया जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत के टेढ़ीनीम स्थित आवास से बाबा की पंचबदन रजत चल प्रतिमा पालकी में विराजमान कराकर मंदिर के गर्भगृह में लाई जाएगी। श्रृंगार से पहले पंचबदन प्रतिमा का पंच गव्य स्नान कराया जाएगा।

उसके बाद बाबा विश्वनाथ, माता गौरा और प्रथम पूज्य भगवान गणेश का फूलों से श्रृंगार होगा। बाबा की चल प्रतिमा को भव्य राजसी श्रृंगार के साथ शाम को टेढ़ीनीम से काशी विश्वनाथ मंदिर ले जाया जाएगा। पारंपरिक नाटकोट क्षेत्रम् के वाद्ययंत्रों और डमरू वादन की गूंज के साथ यह यात्रा निकाली जाएगी। सायंकाल मंदिर के गर्भगृह में चल प्रतिमा को विराजमान कराकर झूले पर झुलाया जाएगा।

सावन पूर्णिमाः सरयू तट पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, अयोध्या : सावन पूर्णिमा पर सरयू स्नान करने के बाद नागेश्वरनाथ मंदिर में भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए सावन मास के अंतिम दिन सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन पर्व पर अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शुक्रवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई और स्नान-दान किया।

सरयू स्नान के बाद श्रद्धालु प्राचीन प्रसिद्ध नागेश्वरनाथ पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं को टोली बनाकर नागेश्वरनाथ मंदिर की ओर भेजा। श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर पहुंचाकर सुविधापूर्वक जलाभिषेक कराया गया। प्रबंधक सभापति तिवारी व सह प्रबंधक प्रभाकर द्विवेदी ने बताया कि नागेश्वरनाथ मंदिर की स्थापना महाराज कुश ने की थी, जिससे यह मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन पूर्णिमा के साथ ही अयोध्या में चल रहे सावन

मेले का भी आज समापन हो रहा है। सावन मेले के दौरान जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे।

श्रद्धालुओं ने सावन के धार्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि अयोध्या पहुंचकर सरयू स्नान, नागेश्वरनाथ में जलाभिषेक और रामलला-हनुमानगढ़ी के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। श्रद्धालुओं ने कहा कि वे खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि सावन के अंतिम दिन अयोध्या में पूजा-अर्चना कर रहे हैं और सकुशल सावन मेले का समापन हो रहा है।

राष्ट्रपति भवन पहुंचीं बलरामपुर की बेटियां, राष्ट्रपति को बांधीं राखी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, बलरामपुर : बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद बलशामपुर के तुलसीपुर स्थित आदि-शक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल की चार छात्राओं के लिए रक्षाबंधन पर्व इस बार यादगार और ऐतिहासिक बन गया। राष्ट्रपति भवन से मिले विशेष निमंत्रण पर विद्यालय की छात्राएं नई दिल्ली पहुंचीं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान राष्ट्रपति ने छात्राओं से आत्मीयता से बातचीत की और उन्हें आशीर्वाद दिया।

विद्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कक्षा 12 की प्रगति पाठक, कक्षा 10 की हर्षिता यादव, कक्षा 12 की प्रस्तुति गुप्ता तथा कक्षा नौ की अनुष्का पाण्डेय राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। छात्राओं के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. डीपी सिंह और अध्यापिका अनीता गुप्ता भी मौजूद रहीं।

छात्राओं ने राष्ट्रपति को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद छात्राओं में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। सीमावर्ती एवं ग्रामीण अंचल के विद्यालय की छात्राओं को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति से मिलने और उन्हें रक्षासूत्र बांधने का अवसर मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। दिल्ली रवाना होने से पहले छात्राओं ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पहुंचकर पीठाधीश्वर मिथिलेश नाथ योगी से आशीर्वाद लिया था। इसके अलावा दल ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में भी महायोगी गुरु गोरखनाथ का पूजन-अर्चन किया।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की खबर मिलते ही तुलसीपुर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने छात्राओं को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य डॉ. डीपी सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए यह अवसर जीवनभर याद रहने वाला है और विद्यालय परिवार के साथ पूरे जनपद के लिए गर्व की बात है।

होटल में बेड पर मिली 1.08 करोड़ की नकदी, होटल मालिक गिरफ्तार

अजमेर। नगर निकाय चुनाव की आचार संहिता के बीच पुष्कर में पुलिस की चेकिंग के दौरान होटल के कमरे से एक करोड़ आठ लाख 79 हजार रुपए की नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने नकदी को जब्त कर होटल मालिक बंकेश सेन को गिरफ्तार कर लिया। नोटों की संख्या इतनी अधिक थी कि उनकी गिनती के लिए बैंककर्मियों को मौके पर बुलाना पड़ा। करीब तीन घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद नकदी को जब्त कर इसकी सूचना आयकर विभाग को दी गई।

मामला एसडीएम कार्यालय के सामने स्थित होटल स्पैरो का है। पुलिस के अनुसार गुरुवार दोपहर चुनाव आचार संहिता के तहत होटल में आकस्मिक जांच की गई। पुष्कर थाना पुलिस की टीम ने होटल के बेसमेंट और दोनों मंजिलों पर बने कमरों की तलाशी ली। होटल में कुल सात कमरे बताए गए हैं। बेसमेंट में बने दो कमरों में होटल मालिक और उसका परिवार रहता है।

आपका राशिफल 29 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। प्रेमभाव बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक 5 7 8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक 2 5 7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई बहनों का प्रेम बढ़ेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-5

भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा : होसबोले

वाराणसी में रक्षाबन्धन पर आरएसएस के सरकार्यवाह का संबोधन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि संघ में अपरिचित को परिचित एवं परिचित को मित्र बनाने की परम्परा रही है।

स्वतंत्रता, समानता एवं बन्धुता इन तीनों अवधारणाओं को विश्व के अनेक देशों ने अलग-अलग रूपों में स्वीकार किया। ऐसे राष्ट्र जहां केवल स्वतंत्रता को महत्व दिया गया वहां स्वच्छंदता व्याप्त हो गयी। जबकि सोवियत रूस जैसे देश ने समानता को वरीयता दी, यह विचार भी टिक नहीं पाया। भारतीय संस्कृति में बन्धुता को स्वतंत्रता और समानता के साथ जोड़ा गया है। इन तीनों तत्वों का मूलाधार सामाजिक समरसता है।

सरकार्यवाह शुक्रवार को यहां संघ के काशी मध्य तिलक नगर में आयोजित रक्षाबन्धन उत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। सिगरा स्थित डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बतौर मुख्य वक्ता सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने योग वशिष्ठ के एक श्लोक का उल्लेख कर कहा कि ऐसे लोग जो हमारे बन्धु नहीं हैं, उनसे प्रतिदिन मिलने से निकटता बढ़ती है और वह हमारे बन्धु बन जाते हैं। जबकि निकटता के अभ्यास को छोड़ने से बन्धुता का स्नेह बन्धन छूट जाता है। उपस्थित स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति को सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए सरकार्यवाह ने कहा कि हमारी

एकता एवं एकात्मता विश्व बन्धुता के संरक्षण और संवर्धन का आधार है। न्यायोचित मार्ग पर चलते हुए बन्धुता को आधार बनाकर स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करने के लिए भारत ने सामाजिक समरसता को अंगीकार किया है।

उन्होंने कहा कि हिन्दू संस्कृति में सम्पूर्ण विश्व को एक कुटुम्ब स्वीकार किया गया है। मैं और समस्त जीव एक ही परमात्मा के अंश हैं, उदार चरित के साथ इस भावना को स्वीकार करना चाहिए। आपस में बंटने पर विरोधी पक्ष को उसका लाभ मिलता है। जब हम सभी विश्व बंधुत्व की चर्चा करते हैं तो उसका मूलाधार भविष्य पुराण का श्लोक ''येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबल:। तेन त्वामभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥'' जिसका अर्थ है कि जिस प्रकार राजा बलि को स्नेह बन्धन में बांधा गया उसी प्रकार मैं भी आपको स्नेह बन्धन में बांधता हूं। यह बन्धन स्थिर रहे।

वर्तमान में परिवार और समाज में जो अस्थिरता उत्पन्न हो गयी है, उसका कारण स्वार्थ है। मनुष्य के अन्दर स्वार्थ विकार के रूप में नहीं आना चाहिए। सरकार्यवाह ने नेपाल त्रासदी में जान गंवाने वाले नागरिकों को संघ परिवार की ओर से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जो इस आपदा में संकटग्रस्त हुए हैं, संघ परिवार उनके प्रति भी अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है।